PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Thursday 26th March 2015, Page: 13
Width: 12.69 cms, Height: 6.02 cms, a4, Ref: pmin.2015-03-26.57.95

दवाओं को बैन से बचाने के लिए करार

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

भारतीय दवा कंपनियों की मेडिसिंस पर अमेरिका में बैन न लगे, इसके लिए अमेरिका का फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) और भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल (डीसीजीआई) का ऑफिस मिलकर काम करेंगे। गौरतलब है कि हाल के महीनों में भारतीय कंपनियों की कई दवाओं को अमेरिका के साथ ही कई देशों में बैन कर दिया गया है। बैन की वजह

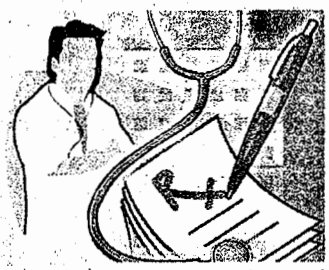

दवाओं की क्वॉलिटी ठीक न होना, इनमें अन्य पदार्थों का पाया जाना और स्टैंडर्ड्स का पालन न करना बताया गया है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए डीसीजीआई ने एफडीए के साथ एक करार किया है। इसके तहत एफडीए भारत की दवा कंपनियों को दवाओं के मामले में अमेरिका के स्टैंडर्ड्स की जानकारी देगा। उन्हें बताया जाएगा कि दवाएं बनाने के लिए मटीरियल का किस तरह चुनाव किया जाए और क्वॉलिटी को कैसे बरकरार रखा जाए। सूत्रों का कहना है कि अमेरिकी दवा कानूनों की जानकारी होने से कंपनियों पर बैन लगने की आशंका कम हो जाएगी।

Regulatory